नैक (NAAC) द्वारा 'A' ग्रेड प्राप्त

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997] क्रमांक के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)

सेवाग्राम कार्यांजली उत्सव में 'गांधी – एक यात्रा' नाटक का मंचन
गांधी जयंती पर सेवाग्राम में हुआ आयोजन, हिंदी विवि की प्रस्तुति

वर्धा, 3 अक्टूबर 2018 : महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय के प्रदर्शनकारी कला विभाग के छात्रों द्वारा राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में सेवाग्राम आश्रम में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम में "गांधी-एक यात्रा" नाटक प्रस्तुत किया।

गांधी जी के जीवन पर आधारित नाटक के बारे में डॉ. सुरभि ने बताया कि इस नाटक में गांधी जी के जन्म से मृत्यु तक की सभी घटनाओं को दिखाया गया और साथ ही आज के समय में गांधी जी के विचारों और

सिद्धांतों की कितनी प्रासंगिकता और ज़रूरत है क्योंकि आज हम सिर्फ गांधी जी के पुतले बनाकर उनकी पूजा कर रहे हैं ना कि उनके विचारों को अपना रहे हैं। जैसे हमें अपने जीवन में सत्य, अहिंसा और श्रम को अपनाना होगा। नाटक निर्माण में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र जी तथा प्रतिकुलपति प्रो. आनंद वर्धन शर्मा जी ने मार्गदर्शन किया । इस नाटक की परिकल्पना, लेखन एवं निर्देशन विश्वविद्यालय की सहायक प्रोफ़ेसर डॉ. सुरभि विप्लव ने किया किया। नाट्य निर्माण सहयोग प्रदर्शनकारी कला विभाग के अध्यक्ष डॉ. सतीश पावड़े तथा प्रस्तुति संयोजन जनसंपर्क अधिकारी बी. एस मिरगे ने किया।

सूत्रधार के रूप में उत्कर्ष उपेन्द्र सहस्रबुद्धे, गांधी जी की भूमिका में वेद प्रकाश एवं नितीश प्रियदर्शी थे। साथी कलाकारों में विष्णु कुमार, अश्विनी अशोक रोकड़े, आयुषी रमेश चांदेकर, खुशबू वासुदेव गर्गेलवार, हिमांशु कुमार,

शुभम श्रीवास्तव, पुष्पेंद्र कुमार, सोनाली पाण्डेय, बृजेश कुमार यादव एवं तकनीकी सहयोग में विष्णु कुमार (प्रस्तुति प्रबंधन), संगीत परिकल्पना-गौरी शंकर (हारमोनियम, गीत), सौरभ कुमार (ढोलक), आकाश अशोक कांबळे, विक्रम

प्रताप सिंह, समता कुमार, राहुल यादव (गायन), लीना भट्ट (रूप-सज्जा), शिव कुमार, अजय दहायत, धर्मराज (प्रकाश संयोजन), खुशबू ,अश्विनी (वस्त्र-विन्यास), स्वराज सिंह, ब्रजेश कुमार (सहयोग)आदि ने किया। बापू कुटी परिसर के सेवाग्राम आश्रम में शैंकडो दर्शकों की उपस्थिति में इस नाटक को काफी सराहा गया।